RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 30 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 30 दिसम्बर 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

निकाय चुनाव पूरी ताकत झौंकी

जोड़तोड़ के माहिर जुटे हैं

-भाजपा-कांग्रेस चुनावी रणनीति में व्यस्त
-हल्द्वानी ओबीसी सीट पर भारी दबाव
-गंगोलीहाट : बिल से निकलते नेतागण
-मुनस्यारी में सयाने को अवसर की बात
-कपकोट में आमने-सामने बड़े नेतागण
-अल्मोड़ा महिला नेताओं में लगी होड़
-पिथौरागढ़ में दिग्गज ठंडे, सिरे से तैयारी
-बेरीनाग में फिर से घमासान होनी है
-धारचूला में दावेदारों पर मंथन

निर्दलीय बिगाड़ेंगे पार्टियों का खेल

कार्यालय प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड में निकाय चुनाव के लिये भाजपा-कांग्रेस अपनी रणनीति बना रही हैं जबकि जोड़तोड़ में माहिर जुटे हुए हैं। निकाय चुनाव के लिये घोषित अनन्तिम आरक्षण सूची के बाद पार्टी के बड़े नेता बयानबाजी भी कर रहे हैं और सीटों पर हुए फैसले के मायने भी निकाले जा रहे हैं। हल्द्वानी मेयर पद की सीट के लिये आरक्षण पर माना जा रहा है कि सरकार की भी ऐसी इच्छा रही होगी क्योंकि टिकट के लिये नेताओं का भारी दबाव था। इस प्रकार के अनुमान कई अन्य सीटों पर लगाये गये हैं लेकिन यह साफ हो चुका है कि अनन्तिम आरक्षण सूची के बाद पार्टी प्रत्याशी बनने से लेकर चुनाव में दांव चल रहे नेताओं को बहुत सोचना पड़ रहा है।

भाजपा विधायक और प्रवर समिति सदस्य रहे विनोद चमोली ने देहरादून में पत्रकार वार्ता करते हुए कहा कि सभी वर्गों को पूर्वनिर्धारित नीति के तहत अधिकार दिया गया है लेकिन कल तक चुनाव में देरी का रोना रोने वाली कांग्रेस अब हार सामने देखकर चुनाव टालने के लिये बहाने तलाश रही है। दूसरी ओर उत्तराखण्ड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रवक्ता धीरेन्द्र प्रताप ने कहा है कि भाजपा ने जिस तरह से राज्य में आरक्षण की घोषणा की है कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा की अध्यक्षता में इसकी समीक्षा करेगी। कहा पार्टी राज्य के जनता के व्यापक हितों के अनुरूप फैसला लेकर राज्य सरकार के सम्मुख अपना पक्ष रखेगी।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने निकाय चुनाव के लिये जारी की गई आरक्षण की अनन्तिम अधिसूचना में मानकों को अनदेखा करने का आरोप लगाया है। कहा कि सत्ता पक्ष के नेता और विधायक ही विरोध कर रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि कहीं न कहीं स्थिति स्पष्ट नहीं है। इस बीच कई आपत्तियां भी प्रस्तुत की गई हैं। जोहार सामाजिक एवं सांस्कृति समिति डीडीहाट ने डीडीहाट नगर पालिका हेतु अनु.जनजाति आरक्षित सीट चाहने के लिये पत्र भेजा है।

चुनाव के लिये भाजपा ने पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिये थे जिनकी रिपोर्ट के आधार पर पार्टी टिकटों का फैसला करने की बात कह रही है। पार्टी ने 78 नेताओं को बतौर पर्यवेक्षक जिम्मेदारी सौंपी है।

हल्द्वानी महानगर की बात करें तो यहाँ ओबीसी सीट होने के बाद भी बहुत दबाव है। सीट आरक्षित होते ही भाजपा-कांग्रेस दोनों की चाहत समाजसेवी नवीन वर्मा बने लेकिन चुनाव गणित अन्त तक कुछ भी करवा सकता है। व्यापारी नेता के अलावा हमेशा जनहित में सक्रिय नवीन वर्मा की पकड़ आम

शेष पृष्ठ 6 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

'एंटी ड्रग'

नशे के खिलाफ महाअभियान

नशे की चपेट में आती दुनिया से लड़ना ही होगा। इस नशे अपराध जगत को बढ़ाते हुए खूंखार लोगों का जमघट बनाना शुरू कर दिया है। अपने पास-पड़ौस, घर-परिवार सभी जगह चौकन्ना होना जरूरी है कि कहीं नशे का व्यापार और व्यवहार प्रवेश न कर ले।

इस महाअभियान के लिये उत्तराखण्ड शासन के उस प्रयोग को सराहनीय कहा जायेगा जिसे उच्चशिक्षा निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय, दून विश्वविद्यालय परिसर की ओर से चलाया जा रहा है। क्षेत्रीय कार्यालय के संयुक्त निदेशक प्रो. आनन्द सिंह उनियाल ने लगातार इस अभियान के लिये पूरे प्रदेश के कालेजों को चुना है और छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर वृहद अभियान जारी है। 'ड्रग फ्री देवभूमि' की समीक्षा बैठक नियमित रूप से करने के अलावा प्रोफेसर उनियाल ने स्वयं भी जगह-जगह निरीक्षण करते हुए इस अभियान को गति दी है और इसमें लगे लोगों को प्रोत्साहित किया है। उनके इस प्रयास को सराहना मिलनी चाहिये।

व्यवहार में यदि देखा जाए तो उच्चशिक्षा अपने जिस दौर से गुजर रहा है उसमें प्रचार-प्रसार को ही चोखा काम माना जा रहा है और ऐसे चतुर लोग आगे दिखाई दे रहे हैं जो व्यवहार में करते नहीं सिर्फ फोटो में दिखाई देते हैं। एन.एस.एस. जैसी इकाई होने के बावजूद जिस प्रकार से इसके शिविरों को कागजों में निपटाया जा रहा है वह शर्मनाक है। जबकि 'ड्रग फ्री देवभूमि' जैसे कार्य को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने करना चाहिये। कुछ महाविद्यालय तो इसलिये चर्चा में बने हुए हैं कि वहां आए दिन जांच टीम आती रहती हैं। इन सारे हालातों के बीच क्षेत्रीय कार्यालय की कमान संभाल रहे डॉ.उनियाल जिस प्रकार से नशे के विरुद्ध अभियान करा रहे हैं वह प्रेरणादायक है। उनके कार्यों से प्रेरित होकर प्रत्येक कालेज को अभिनव प्रयोग करना चाहिये न कि कागजों का पेट भरा जाए।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

बांग्लादेश में 2026 तक आम चुनाव सम्भव

ढाका। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने कहा कि देश में अगल आम चुनाव 2025 के अन्त तक या 2026 की पहल छमाही में होने की सम्भावना है। कहा कि चुनाव की तिथि राजनीतिक आम सहमति और इस बात पर निर्भर करेगी कि चुनाव से पहले किस हद तक सुधार किए जाने की आवश्यकता है।

हमेशा याद किये जायेंगे उस्ताद जाकिर हुसैन

नई दिल्ली। 5 ग्रैमी पुरस्कार और पद्म सम्मान से सम्मानित उस्ताद जाकिर हुसैन संगीत की दुनिया में हमेशा याद किये जायेंगे। 16 दिसम्बर 2024 को 73 वर्षीय जाकिर का अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में एक अस्पताल में निधन हो गया। प्रसिद्ध तबला वादक जाकिर का जन्म 9 मार्च 1951 को हुआ था।

मुम्बई लौटी हमीदा बानो, 22 साल से फंसी थी

लाहौर। पिछले 22 वर्षों से पाकिस्तान में रह रही एक भारतीय महिला हमीदा बानो लाहौर से वाघा सीमा के रास्ते अपने वतन लौट आई है। महिला को ट्रेवेल एजेंट धोखे के पाकिस्तान ले गया था। मूल रूप से मुम्बई की हमीदा 2002 से पाकिस्तान के हैदराबाद पहुंची थी।

घोटाले में लिप्त अधिकारी को फांसी पर चढ़ाया

बीजिंग। चीन की सरकार ने उत्तरी इन मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र के पूर्व अधिकारी ली जियानपिंग को फांसी दे दी। ली जियानपिंग को देश के अब तक के सबसे बड़े भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराया गया था। यह भ्रष्टाचार 42 करोड़ अमेरिकी डॉलर से ज्यादा का बताया जा रहा है।

कैलास मानसरोवर यात्रा पर चीन से सहमति

नई दिल्ली। भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बची 23 वीं बैठक में दोनों पक्षों ने सीमाओं पर शान्ति और सौहार्द को द्विपक्षीय सम्बन्धों की प्रगति के लिये अनिवार्यता के रूप में स्वीकार करते हुए आपसी हितों के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी केन्द्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के बीच कैलास मानसरोवर यात्रा पर भी सहमति बनी।

भ्रष्टाचार मामले में फ्रांस के सारकोजी दोषी

पेरिस। फ्रांस के सर्वोच्च न्यायालय कोर्ट ऑफ कैसेशन ने अपील अदालत के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सारकोजी को राष्ट्राध्यक्ष रहते भ्रष्टाचार का दोषी पाया गया था।

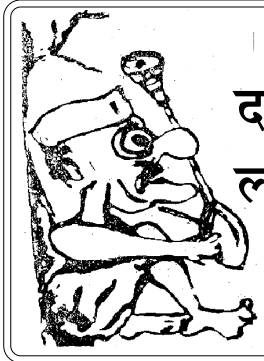

फसक

दाज्यू, टोपी और पिछौड़ा लपेट को पहाड़ी मान रहे ठैरे

ईजा-बाज्यू-दिदी-भुली कहकर फरफरा रहे हैं बल

दाज्यू, मोदी ज्यू ने टोपी क्या पहनी अपने मोहल्ले में दीनू, राधे, मोहन, फुकरी, जमुना, लच्छुली, सब्बर सभी टोपी पहन चुके हैं और अपने को पहाड़ का बड़ा नेता बता रहे हैं। टोनी लाल टोपी पहन कर डिग्री कालेज जा रहा है। कह रहा था- 'कोई कुछ बोलेगा तो कह दूंगा पहाड़ का नेता हूं।' दाज्यू, दिल्लू, बबली, रूमू, रकबीर कौर, मुन्नन देवी सभी पिछौड़ा लपेट कर घूम रहे हैं। बाजार में लोगों को डर लगने लगा है कि कहीं कोई आफत न हो जाए। दाज्यू, हम पहले ही कह चुके हैं कि आजकल टोपी और पिछौड़ा लपेट को ही पहाड़ी मान रहे ठैरे। पर्वतीय संस्कृति के नाम पर लपेटा-लपेट होने लगी है। लुटने-पिटने के बाद समझ आने लगता है कि कितनी तरक्की हुई है।

दाज्यू, ताजा घटना सबको ही पता है। रुद्रपुर में मुस्लिम युवक ने धोखे से शादी कर ली। दूल्हे ने पहाड़ी टोपी और महिलाओं ने पिछौड़ा पहनकर धोखा दिया बल। दुल्हन का भाई पुलिस को बता रहा है- 'शादी में 20 लाख खर्च हो गये। दिल्ली आनन्द विहार के अमन चौधरी नामक युवक के साथ पर्वतीय रीति से विवाह हुआ। बहन को ससुराल जाकर पता चला कि नाम बदल कर शादी की है और दूल्हा व बाराती मुस्लिम हैं। दाज्यू, टोपी-पिछौड़ा को ही पर्वतीय संस्कृति सबकुछ मानने वाले बाजार में रेंग रहे हैं तभी तो खड़पट्ट हो रही है।

दाज्यू, हल्दूचौड़ में रहने वाली आठवीं कक्षा की छात्रा ने माँ द्वारा महोत्सव में जाने से रोकने पर जहर खाकर जान दे दी। वह अपनी माँ से महोत्सव में जाने की जिद कर रही थी बल। बहुत दु:खद घटना है। क्या कहा जाए? महोत्सव का भूत पूरे प्रदेश में घूम रहा है और डंगरिया चुप बैठे हैं।

देवभूमि में ज्यादा ही गजबजट होने लगी है। टेंटू बनाने से लेकर महन्दी लगाने के लिये सड़कों पर रफीक मियाँ और भूरे खान बैठे हुए हैं। सर में टोपी पहने रखो फिर कौन पूछने वाला है? सब दाज्यू ही दाज्यू ठैरे। ऋषिकेश के आईडीपीएल क्षेत्र स्थित एक योगा स्पा सेन्टर में विदेशी युवती से छेड़छाड़ हुई। जर्मनी निवासी 33 वर्षीय युवती ने कहा है- 'स्पा सेन्टर चलाने वाले बबलू ने छेड़छाड़ की।'

दाज्यू, निकाय चुनाव के दिनों में हवा भी ज्यादा चल रही है। ईजा-बाज्यू-दिदी-भुली कहकर फरफरा रहे हैं बल। अपने महेश दा भी गमछा डालकर तराई में जुलूस निकाल रहे हैं। रुद्रपुर में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के सोशल मीडिया में वायरल हो रहे आडियो को लेकर गांधी पार्क में धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान पूर्व पालिकाध्यक्ष व महिला कांग्रेस की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीना शर्मा फूट-फूट कर रोई। दाज्यू, ठुकराल.....आप जानने ही वाले ठैरे। रुद्रपुर में इन्हें दबंग नेता कहते हैं बल। अरोरा को विधायक का टिकट मिलने के बाद भाजपा से किनारे लगा दिया था। दाज्यू, बुंगाछीना में विदेशी शराब के सेल्समैन को लाठी-डण्डों से बेरहमी से पीट-पीट कर मार डाला। गुण्डई चल रही है। काशीपुर में प्रोफेसर की पत्नी से साइबर ठग ने 9.80 लाख की ठगी कर ली। ठग ने महिला को मुम्बई के अश्लील फोटो वायरल करने और बेटे को को मारने की धमकी दी बल। दाज्यू, दुनिया कितनी तेजी से घूम रही है यह सोचकर ही झूम पड़ने लगी है। भगवान बचाए इस दुनिया को। बहुत रफ्तार है इसमें।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

का.विनोद मिश्रा के 26वें स्मृति दिवस पर आधुनिक भारत को समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक बनाने का संकल्प

जगमोहन रौतेला

लालकुँआ/हल्द्वानी। भाकपा माले के पूर्व महासचिव कॉमरेड विनोद मिश्रा के 26वें स्मृति दिवस पर पार्टी आफिस दीपक बोस भवन कार रोड बिन्दुखत्ता में संकल्प दिवस का आयोजन किया गया। भाकपा (माले) द्वारा इस अवसर पर कामरेड विनोद मिश्र और आन्दोलन और पार्टी संगठन में शामिल होने वाले सभी साथियों को क्रान्तिकारी अभिवादन के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भाकपा(माले) को अपने प्यारे देश के हर कोने में गहराई तक ले जाने और इसे और अधिक मजबूत, जीवन्त और गतिशील बनाकर आधुनिक भारत की क्रान्तिकारी यात्रा को आगे बढ़ाया जा सकता है। यही कॉमरेड वीएम और भाकपा(माले) तथा भारतीय कम्युनिस्ट आन्दोलन के दिवंगत नेताओं और शहीदों को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

भाकपा माले के वरिष्ठ नेता बहादुर सिंह जंगी ने कहा कि इतिहास में बड़े-बड़े सवाल हमेशा सड़कों की लड़ाइयों से हल होते हैं। यह बात कामरेड विनोद मिश्रा ने दिसम्बर 1998 में पार्टी की सेंट्रल कमेटी को अपने अन्तिम नोट में याद दिलाई थी। उन्होंने युवा कम्युनिस्टों से अपील की थी कि वे चौतरफा पहल करें और उस फासीवादी खतरे के खिलाफ लड़ाई तेज करें, जो तब अपना सिर उठाना शुरू कर चुका था। क्रान्तिकारी मार्क्सवाद के लाल झण्डे को मजबूती से बुलन्द करने वाली एक मजबूत कम्युनिस्ट पार्टी, ग्रामीण गरीबों का शक्तिशाली आन्दोलन और भगवा साजिश के खिलाफ हर क्षेत्र में पहल, इन तीन प्रमुख चुनौतियों को कॉमरेड वीएम ने अपने अन्तिम नोट में रेखांकित किया था। आज जब हम कामरेड वीएम की 26वां स्मृति दिवस मना रहे हैं तो उनकी बातें पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक लगती हैं।

माले जिला सचिव डा. कैलाश पाण्डेय ने कहा कि मोदी सरकार को सत्ता में आए अब एक दशक से अधिक समय हो चुका है। सरकार के फासीवादी एजेंडे का पर्दाफाश हो चुका है और विभिन्न मोर्चों पर प्रतिरोध भी बढ़ रहा है। यह स्पष्ट है कि फासीवादी हमले को रोकने के लिए हमें लम्बे समय तक चलने वाले और मजबूत जन आन्दोलनों की जरूरत है। फासीवादी अपनी ताकत साम्प्रदायिक नफरत और ध्रुवीकरण, जाति और लैंगिक उत्पीड़न और कार्पोरेट ताकत के पूर्ण समर्थन से हासिल करते हैं। इसलिए फासीवाद का मुकाबला करने के लिए हमें साम्प्रदायिकता, जातिवाद और कारपोरेट ताकत के खिलाफ प्रतिरोध को और भी व्यापक और धारदार बनाना होगा।

कामरेड वीएम की 26वें स्मृति दिवस पर कम्युनिस्ट आन्दोलन के गौरवशाली इतिहास और विरासत को स्मरण करने के साथ-साथ फासीवाद को पराजित करने और आधुनिक भारत को समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य के संवैधानिक लक्ष्य की ओर ले चलने के लिए उनकी प्रिय पार्टी भाकपा माले को हर तरह से मजबूत करने का संकल्प लिया गया ताकि आज की चुनौतियों का सामना किया जा सके।

इस अवसर पर भाकपा माले के वरिष्ठ नेता आनन्द सिंह नेगी, पुष्कर दुबड़िया, विमला रौथाण, भुवन जोशी, चन्दन राम, कमल जोशी, धीरज कुमार, नैन सिंह कोरंगा, गोविन्द सिंह जीना, किशन सिंह बघरी, बिशन दत्त जोशी, ललित जोशी, आनन्द दानू, निर्मला शाही, त्रिलोक राम, प्रोनोबेस करमाकर आदि मुख्य रूप से शामिल रहे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

इतिहास

कत्यूरी राज्य : बहराइच का युद्ध और कत्यूर साम्राज्य का तिथिक्रम

डॉ. मदन चन्द्र भट्ट

अंग्रेज गजेटियर लेखकों द्वारा पर्वतीय अभिलेखों के अनुवाद, स्थान-नामों के तादाम्य तथा अधिकांश ऐतिहासकि सामग्री के परिचित होने पर भी कुमाऊँ गढ़वाल के लिए ऐतिहासिक तिथिक्रत तैयार कर उसे सर्वत्र फैला देने के मध्यकालीन भारत के सबसे बड़े हिन्दू राज्य कत्यूरी साम्राज्य का इतिहास आज कुमाऊँ और गढ़वाल विश्वविद्यालयों के इतिहास प्राध्यापक तक नहीं जानते, साधारण इतहास मास्टरों की तो बात ही क्या है। एटकिंसन, वाल्टन और नोविल के गप्प शास्त्र की नकल करने वाले लेखकों ने स्थिति को इतना बीभत्स कर दिया है कि अब हिमालय का इतिहास हिमालय का न होकर एटकिंसन का का इतिहास मात्र बनकर रह गया है और एटकिंसन के कुतर्कों का ढिंढोरा पीटकर इतिहास लेखक का ढोंग रचना एक आम बात हो गई है। यदि आज नैनीताल-अल्मोड़े के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों के इतिहास विभाग में जाकर कोई यह कह दे कि गोपेश्वर के त्रिशूल लेख पर जिस अशोकमल्ल की दिग्वजय का उल्लेख है, बोधगया, बिहार से जिस अशोकमल्ल के तीन अभिलेख मिले हैं, वह दिल्ली के गुलाम सुल्तान नासिरुद्दीन महमूद और गयासुद्दीन बलवन का समकालीन था तो सारे अध्यापक उसे मूर्ख समझेंगे। इसी तरह कटारमल, जोशीमठ, द्वाराहाट, रामनगर, कोटद्वार तथा रानीबाग आदि के मेलों में पर्वतीय लोक गायकों द्वारा कत्यूरियों की नौ लाख सेना का बार-बार उल्लेख करना एक अतिशयोक्ति और कपोल कल्पना समझना साधारण सी बात है। कत्यूरी समस्या को उलझाने में कुमाऊँ और गढ़वाल के लोकगीत, लोकगाथा और लोक साहित्य पर शोधकार्य करने वाले हिन्दी अध्यापकों का भी योगदान रहा है क्योंकि उन्होंने कत्यूर दरबार के कवि- धरमदास, खैरीदास, बिणदास, अजयदाय आदि की हस्तलिखित पुस्तकों की खोज करने के स्थान पर जागरों को लोकसाहित्य मानकर यह घोषण कर दी कि वे लिखित रूप में अप्राप्य हैं और उन वर्णित व्यक्तियों और घटनाओं की कोई तिथि नहीं हो सकती है। विगत दशक में कुछ ऐसे लेखक भी सामने आये जिन्होंने हाईस्कूल स्तर तक भी इतिहास नहीं पढ़ा और कुमाऊँ-गढ़वाल की संस्कृति और इतिहास पर स्थानीय साप्ताहिकों एवं प्रवासी पर्वतीय की स्मारिकाओं में जो मन में आया धड़ल्ले से छपा दिया।

कत्यूरी साम्राज्य का तिथिक्रम ज्ञात करने के लिए पर्याप्त ऐतिहासिक साधन मौजूद हैं और उनसे विदित होता है कि मध्य हिमालय में सतलज से गंडकी तक कत्यूरी साम्राज्य फैला हुआ था और 11वीं से 16वीं सदी तक यह एक शक्तिशाली हिन्दू साम्राज्य के रूप में कायम रहा। इसका तिथिक्रम ज्ञात करने में सबसे महत्वपूर्ण सहायता मुगल सम्राट जहाँगीर (1605-27 ई.) के दरबारी लेखक अब्दुर्हरमान चिस्ती की पुस्तक 'मीरात-ए-मसूदी' से मिलती है। इस पुस्तक में महमूद गजनबी के भांजे और शहीद सहजादे मसूद के भारत पर आक्रमण तथा बहराइच के युद्ध में कत्यूरी राजा शहरदेव द्वारा उसकी परजाय का विवरण है।

बहराइच में आज भी मसूद की कब्र है। जो वहाँ का एक चर्चित स्मारक माना जाता है। ऐतिहासिक परम्परा के अनुसार उस स्थान पर जहाँ आजकल मसूद की दरगाह है, प्राचीनकाल में सूर्य मन्दिर था। दरगाह के अहाते को बनाने वाला दिल्ली का तुगलक सुल्तान फिरोजशाह बताया जाता है। मध्यकालीन दरबारी लेखकों ने अनेक बाद दिल्ली के सुल्तानों द्वारा मसूद की दरगाह के दर्शन करने का उल्लेख किया है। सीतापुर जिले के बिस्वा नामक स्थान पर सालार मसूर के अनुयासियों के कई मकबरे हैं जिनमें हक्रतिया का रौजा बहुत प्रसिद्ध है।

अब्दुर्रहमान चिस्ती के अनुसार गजनी के सुल्तान महमूद ने कन्नौज के गुर्जर प्रतिहार राजा राज्यपाल को परास्त कर उत्तरी भारत के विस्तृत इलाके को अपने कब्जे में कर लिया। अपने 17 आक्रमणों की सफल्ता के पश्चात उसने अपनी बहिन के प्रति सिपलसालार साहू को अजमेर का शासक नियुक्त किया और सालर साहू के पुत्र मसूद को कन्नौज का राज्यपाल बनाया। मसूद के कन्नौज के क्षेत्र से निकालने के लिए कुमाऊँ-गढ़वाल और उसके पार्श्ववर्ती क्षेत्र के हिन्दू राजाओं ने संघ बनाया। बहराइच के इलाके में पहाड़ी राजा शहरदेव के नेतृत्व में तुर्कों के साथ दीर्घकाल तक युद्ध होते रहे। कन्नौज, बरेली, सीतापुर और बहराइच तक युद्ध फैला रहा। अन्त में शहरदेव के नेतृत्व में पहाड़ी सेना विजय रही। बहराइच के घमासान युद्ध में मसूद को मारकर शहरदेव ने गंगा यमुना की उपत्यका से गजनी का प्रभुत्व समाप्त कर दिया। अब्दुर्रहमान चिश्ती यह भी बताता है कि इस विजय के कारण ही अजमेर से भी तुर्कों का प्रभुत्व समाप्त हो गया। शहरदेव के सन्दर्भ में उसने निम्न तथ्य का उल्लेख किया है, जिसकी ओर अभी तक मध्य कालीन भारत पर पाठ्य पुस्तकें तैयार करने वाले लेखकों ने ध्यान नहीं दिया है-

'इस पुस्तक के लेखक ने मसूद का इतिहास पढ़ा, उससे पहले वह नूरूद्दीन मुहम्मद जहाँगीर के आदेश से प्राय: उत्तर प्रदेश में पर्वतों के नीचे जाया करता था। वहाँ पहाड़ियों के राजा का प्रतिनिधि आचार्य लली मदुर एक बार मुझसे मिलने आया और हम संयोगवश शहीद के विषय में बातें करने लगे। वह ब्राह्मण हिन्दू इतिहासकारों के ग्रन्थों का अच्छा ज्ञाता था। उसने अपने इतिहासकारों के आधार पर मुझे मसूद के इतिहास का विस्तारपूर्वक वृतान्त कह सुनाया। उसके भारत में प्रवेश से मृत्यु तक की कहानी कही और उन युद्धों का वर्णन किया जो उसने काफिरों के साथ लड़े थे। उसने यह भी कहा कि शहीद शाहजादे को मारने के बाद राय साहरदेव अपने डेरे में वापस गया और स्वप्न में शाहजादे की आत्मा देखी.....। कुछ वर्ष पश्चात् मुल्ला मुहम्मद गजनबी की तबारीख मेरे हाथ लगी। उसमें मैंने पढ़ा तो जो कुछ उस ब्राह्मण ने मुझसे कहा था, उसकी पुष्टि हो गई। ब्राह्मण का कहना है कि पहाड़ियों के वर्तमान राजा का वंश राय सहरदेव से ही चला है और इन लोगों के पुस्तकालय में जो भारतीय इतिहास है वे उस ब्राह्मण ने पढ़े थे।'

उपरोक्त उद्धरण से स्पष्ट है कि बहराइच के युद्ध में महमूद गजनबी के भांजे को परास्त कर उत्तरी भारत में अजमेर तक हिन्दू सत्ता की पुन: स्थापना करवाने वाला राय सहरदेव कुमाऊँ-गढ़वाल की पहाड़ी भूमि का राजा था और उसके वंशजों ने जहाँगीर के समय तक पहाड़ पर शासन किया। इस प्रकार सहरदेव का वंश ग्यारहवीं से सत्रहवीं सदी तक पहाड़ में सत्तारूढ़ रहा। अभिलेख और वंशावलियों के अनुसार इस अवधि में बैराठ के कत्यूरी, श्रीनगर के पंवार और चम्पावत के चन्द- ये तीन राजवंश पहाड़ में थे। चन्दवंश के नाम के पीछे चन्द शब्द का प्रयोग मिलता है। जैसे ज्ञानचन्द, रूद्रचन्द तथा पृथ्वीचन्द आदि। श्रीनगर के पँवारों नाम के पीछे शाह शब्द का प्रयोग होता था। जैसे मान शाह, श्याम शाह तथा महिपति शाह आदि। केवल रजवार अस्कोट के यहाँ सुरक्षित कत्यूरी राजाओं के नाम के साथ देव शब्द का प्रयोग हुआ है जैसे आशाल देव, आशोक देव, असान्ति देवी, धाम देव तथा ब्रहमदेव आदि। अत: सहरदेव कत्यूरी वंश का ही माना जा सकता है।

पर्वतीय परम्परा के अनुसार कत्यूरी राजाओं ने झूसी (इलाहाबाद) के राजकुमार सोम चन्द को अपनी लड़की के दहेज में चम्पावत की जागीर और धारा के पंवार कनकपाल को को अपनी लड़की के दहेज में चाँदपुर की जागीर देकर पहाड़ में बसाया। गढ़वाल के पंवार वंश का सबसे लोकप्रिय राजा अजयपाल माना जाता है। रामायण प्रदीप के अनुसार अजयपाल को कत्यूरियों के सोने का सिंहासन मिला था जिसे वह चाँदपुर से श्रीनगर अया था।

यत्कैचिरातोधिगतम् सृवर्णसिंहासनन्
चारुतरम महार्ध्यम्।।21।।
आनीयात् श्रीनगरे वरेण्यमारुहय
चैतत्सक लैर्नुतोभूत।।22।।

अजयपाल का पौत्र मानशाह जहाँगीर का समकालीन था। डॉ. शिवानन्द नौटियाल

ज्योतिष की बातें- 210

4 जनवरी 2025 को बुध धनु राशि में प्रवेश करेगा। यह गुरु की राशि है और इस समय बुध उदितावस्था में है तथा मार्गी भी चल रहा है। अत: बुध अत्यन्त शुभ फलदायक रहेगा। बुध बुद्धि, स्मरणशक्ति, व्यापार, वाणिज्य, गणित, लेखनकार्य, संचार साधन, मामा, वाणी आदि का कारक होता है। फलदीपिका के अनुसार बुध 2, 4, 6, 8, 10 व 11 वें स्थान पर शुभ फल देता है इसलिए अगले 20 दिन वृश्चिक, कन्या, कर्क, वृषभ, मीन व कुम्भ राशि के जातकों को बुध अपने कारक विषयों में अत्यन्त शुभफल प्रदान करेगा। अन्य जातकों को भी बुध का सामान्य फल प्राप्त होगा।

ईसाई नववर्ष- बुधवार 1 जनवरी को ईसाई नववर्ष 2025 प्रारम्भ होगा लेकिन इस दिन का मेरे विचार से ईसा मसीह के जन्म से कोई सम्बन्ध नहीं है क्योंकि परम्परा से ईसा मसीह का जन्म 25 दिसम्बर 4 ई.पू. माना जाता है। फिर भी इस नव वर्ष 2025 के लिए सभी ईसाई बन्धुओं को शुभकामनाएँ ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 101

वर की खोज

आजकल अपनी लड़की के लिए योग्य वर को खोजना बहुत कठिन हो गया है। कन्या की प्राय: 25 वर्ष की उम्र हो जाने के बाद ही वर की खोज प्रारम्भ होती है जो कि लगभग 10 वर्ष तक चलती रहती है। लड़का कन्या की उम्र के लगभग बराबर ही होना चाहिए। सुन्दर तो होना ही चाहिए साथ ही परिवार भी सम्पन्न होना चाहिए। लड़के की ऊंचाई, वजन आदि लड़की के अनुरूप ही होना चाहिए। यथासम्भव लड़का घर में अकेला हो तो अच्छा, भाई-बहन नहीं होना चाहिए, यदि माता-पिता हों तो लड़का घर से दूर रहने वाला हो। लड़का मॉडर्न ख्यालों का होना चाहिए। लड़का नौकरी वाला होना चाहिए, सरकारी नौकरी हो तो अच्छा। लड़के प्राय: झूठ बोलते हैं इसलिए उनकी सैलरी स्लिप भी देखना आवश्यक हो जाता है। सम्पत्ति के बारे में लड़के वाले झूठ ही बोलते हैं इसलिए प्रापर्टी के कागजात भी देखने पड़ते हैं। नौकरी में भी लड़का उसी शहर में नौकरी करता हो जिस शहर में लड़की नौकरी करती है और विभाग भी वही हो जो कन्या का है। सब कुछ मिल जाने के बाद लड़का लड़की की जन्मकुण्डली का मिलान होता है। यदि कुण्डली नहीं मिलती है तो फिर नये वर की खोज पुन: प्रारम्भ हो जाती है और यह खोज तब तक चलती रहती है जब तक लड़की सन्तानोत्पादन के लिए अयोग्य नहीं हो जाती। ठीक ऐसा ही अपने लड़के के लिए लड़की ढूँढ़ते समय माता-पिता करते हैं।

ऐसी स्थिति समाज की बन जाने के कारण बहुत से लड़के लड़कियाँ अविवाहित ही रह जाती हैं। वे लड़के लड़कियाँ भाग्यशाली हैं जो प्रेम प्रकरण के द्वारा स्वयं ही अपना घर बसा लेते हैं, भले ही उनके माता-पिता की कोई भी शर्त पूरी न होती हो। अन्यथा माता-पिता तो अब समर्थ नहीं रहे कि वे अपने बच्चों की शादी कर सकें।

इसलिए माता-पिता यदि अपने बच्चों का भला चाहते हैं तो उन्हें अपनी शर्तें कम करना चाहिए ।

-सरल

परम्परागत होली गायन जारी

पहाड़ में पौष के प्रथम रविवार से जारी परम्परागत होली गायन का क्रम बराबर चल रहा है। हालांकि पुराने दौर की तरह रातभर चलने वाले आयोजनों में ठहराव है और कुछ संस्थाएं ही सक्रिय हैं। हल्द्वानी में हिमालय संगीत शोध समिति द्वारा लगातार आयोजन के साथ होली संगीत कार्यशाला भी करवाई जा रही है ताकि नई पीढ़ी को इससे जोड़ा जा सके। नैनीताल में श्रीराम सेवक सभा द्वारा बैठकी का आयोजन किया गया। रामनगर में रसिक जनों ने परम्परागत तरीके से परिपाटी निभाई। पिथौरागढ़ में रसिक जनों ने होली बैठकी की। गंगोलीहाट में महाकाली दरबार सहित आयोजन हुए। अल्मोड़ा में हुक्का क्लब सहित होल्यारों के वहां गायन जारी है। इसी प्रकार बागेश्वर में होली गायन का शगुन किया गया। रानीखेत, द्वाराहाट से भी बैठक का समाचार मिला है। चम्पावत और लोहाघाट में संगीत विद्यालय सहित होली बैठकी के शाकीनों ने जुटकर महफिल सजाई।

द्वारा संकलित तीतू रौतेली लोकगाथा में मानशाह के समय गढ़वाल में कत्यूरी सत्ता के विरुद्ध विद्रोह का उल्लेख मिलता है। कुमाऊँ-गढ़वाल के पहाड़ों के पाद पर रानीबाग, खैरागढ़, रामनगर, कोटद्वार तथा कालसी आदि में कत्यूरियों की वीरता और तुर्कों की पराजय से सम्बन्धित मेले लगते हैं और चिश्ती को इस क्षेत्र में जहाँगीर के समय में भी कत्यूरी जागरों का कोई ज्ञाता मिला होगा, जिसका नाम उसने मलिअदूर (मलय भद्र) लिखा है। कत्यूरी जागरों में तुर्कों को पराजय करने, अखण्ड पृथ्वी पर शासन करने तथा नौ लाख सेना होने का दावा भी यह स्पष्ट करता है कि उनके पूर्वज सहर देव ने महमूद गजनबी के भांजे को ससैन्य मारकर उत्तरी भारत को इस्लामीकरण से बचाया था।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

रामगंगा नदी पर झूलापुर स्वीकृति

थल। तहसील क्षेत्रान्तर्गत गोल गाँव से सत्याल गाँव के तोक बिरमथल को जोड़ने के लिये रामगंगा नदी में 90 मीटर लम्बे झूलापुल को स्वीकृति मिलने की खुशी है। इससे क्षेत्र के 60 से अधिक गाँवों को लाभ मिलेगा। अभी तक लोगों को दो किमी का फेरा लगाकर गन्तव्य तक पहुँचना होता है।

नैनीसैनी में सुविधा विस्तार की स्वीकृति

पिथौरागढ़। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और प्रदेश की राजधानी देहरादून के लिये सीधी विमान सेवा शुरू होने के बाद देशभर से आने वाले यात्रियों के लिये एयरपोर्ट पर सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। शासन ने इसके विस्तार के लिये 23 लख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है।

गुरु गोरखनाथ महोत्सव

लोहाघाट। पाटी ब्लाक के मूलाकोट क्षेत्र की ग्रामसभा अमोली में गुरु गोरखनाथ महोत्सव में सांस्कृतिक टीमों ने मंच प्रदर्शन कर मनोरंजन किया।

सांस्कृतिक संध्या पर लोक सांस्कृतिक कला दर्पण लोहाघाट, प्रकाश रावत एण्ड पार्टी पिथौरागढ़ सहित स्थानीय स्कूलों के बच्चों ने नृत्यगीत के कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

मैदान से ही लगेगी प्रशिक्षक की हाजिरी

हल्द्वानी। खेल विभाग में कार्यरत कोच अब अपने तय प्रशिक्षण स्थल के मैदान में पहुँचकर ही अपनी हाजिरी लगा सकेंगे। इसके लिये प्रशिक्षकों के चेहरे की रीडिंग भी होगी और आँखों को भी स्कैन करना होगा। खेल विभाग ने प्रदेश में चल रहे 250 से अधिक खेला प्रशिक्षण शिविरों में प्रशिक्षण समय तय कर दिया है।

बागेश्वर सीवर लाइन स्वीकृत हो

बागेश्वर। जिला नगर समिति ने बागेश्वर में सीवर लाइन स्वीकृत करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में जनपद में पृथक महिला चिकित्सालय बनाए जाने, बागेश्वर से हरिद्वार बस सेवा, चकबन्दी लागू करने, सरयू व गोमती नदी में अवशेष स्थानों पर घाट बनाने की भी मांग की है।

चार्टन लॉज के निर्माण को मास्टर प्लान

नैनीताल। सरोवर नगरी में चार्टन लॉज का निर्माण अब जल्द शुरू होगा। निर्माण से पूर्व मास्टर प्लान तैयार किया जायेगा, जो यूएलएमसी के तहत होगा। यह निर्णय क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिये लिया गया है। चार्टन लॉज क्षेत्र वर्ष 2022 में भूस्खलन के कारण प्रभावित हुआ था जिसके बाद यहां से 24 परिवारों को शिफ्ट कर दिया गया था। अब यएलएमसी की ओर से निर्माण होना है।

2025 में यूसीसी लागू होगा, पंजीकरण के लिये पोर्टल तैयार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड में जनवरी 2025 से समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यूसीसी लागू करने की तैयारी पूरी है। इस तरह उत्तराखण्ड आजादी के बाद यूसीसी लागू करने वाला प्रदेश बन जाएगा। सीएम ने राज्य सचिवालय में आयोजित उत्तराखण्ड निवेश और आधारिक संरचना विकास बोर्ड की बैठक में कहा कि सरकार अपने संकल्प के अनुसार समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में होमवर्क कर चुकी है। मार्च 2022 में प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्णय लिया गया था। इस कम में सेवानिवृत्त न्यायधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय विशेषज्ञ समिति बनाई गई, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर 7 फरवरी 2024 को राज्य विधानसभा से विधेयक पारित किया गया। राष्ट्रपति की सहमति के बाद 12 मार्च को इसकी अधिसूचना जारी की गई। इसके लिये पंजीकरण पोर्टल तैयार है।

समान नागरिक संहिता की नियमावली के प्रारूप में बदलाव होगा

देहरादून। प्रदेश में नागरिक संहिता को लागू करने से पहले इसकी नियमावली बनाने का कार्य चल रहा है। शासन इस समय नियमावली बनाने के लिये गठित समिति के प्रारूप का अध्ययन कर रहा है। माना जा रहा है कि 424 पृष्ठों की नियमावली में कई प्राविधान ऐसे हैं जो केन्द्रीय नियमों का दोहराव हैं। प्रदेश सरकार उत्तराखण्ड में समान नागरिक संहिता कानून विधानसभा से पारित करा चुकी है और राष्ट्रपति से भी इसे मंजूरी मिल गई है। इस कानून को धरातल पर उतारने के लिए नियमावली बनाने का कार्य चल रहा है। सरकार ने इसी वर्ष फरवरी में पूर्व मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था। अब विधि व न्याय विभाग के सुझाव के क्रम में कार्य चल रहा है।

यूकेडी केन्द्रीय कार्यकारिणी भंग

देहरादून। केन्द्रीय अध्यक्ष पूरण सिंह कठैत के अवकाश पर के उपजे विवाद के बीच यूकेडी केन्द्रीय कार्यकारिणी भंग हो चुकी है। दल में उपजे असन्तोष को देखते हुए कठैत ने अपना अवकाश रद्द करते हुए कार्यवाहक अध्यक्ष ए. के. जुयाल से अपने सभी अधिकार वापस ले लिए। साथ ही केन्द्रीय कार्यकारिणी और संरक्षक मण्डल को भंग कर दिया। बताते चलें कि कठैत पारिवारिक कारण से 12 दिसम्बर को जुयाल को चार्ज देकर अवकाश पर चले गये थे। अध्यक्ष के अवकाश पर जाने और कार्यवाहक अध्यक्ष को चार्ज के बाद दल के भीतर घमासान होने लगा। अब मीडिया को जारी बयान में कठैत ने कहा कि कुछ प्रतिकूल परिस्थितियों के चलते उन्होंने अवकाश लिया था। निकाय चुनाव की तैयारियां भी सुचारू चलती रहें, इसके लिये चार्ज दिया था। लेकिन कुछ सदस्यों के भ्रम फैलाने के कारण अब कार्यकारिणी भंग कर दी है।

नरसिम्हानन्द की धर्म संसद का विरोध

देहरादून। 62 हिन्दू आध्यात्मिक नेताओं व संगठनों के समूह सत्य धर्म सम्वाद ने यति नरसिम्हानन्द घानन्द द्वारा आयोजित धर्म संसद की निन्दा कर हिन्दू धार्मिक नेताओं और संगठनों से उसका विरोध करने की अपील की।

62 हिन्दू आध्यात्मिक नेताओं व लिंगायत समुदाय, वर्कारी सम्प्रदाय, द पालि पण्डित प्रोजेक्ट, विश्वनाथ मन्दिर, भगवत गीता स्कूल और बालकराम मन्दिर आदि की ओर से जारी बयान में सत्य धर्म सम्वाद ने आध्यात्मिक नेताओं से हिन्दू धर्म की असली भावना को प्रदर्शित करते हुए घृणा और विभाजन के बजाय एकता, सहिष्णुता और सम्वाद को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। कहा कि हिन्दू धर्म के गहरे और समावेशी धरोहर के संरक्षकों के रूप में, वे अपने समाज में घृणा, विभाजन और हिंसा को बढ़ावा देने के लिए धर्म के बढ़ते दुरुपयोग से गहरे चिन्तित हैं। हिन्दू धर्म, इसके शाश्वत आदर्शों जैसे वसुदैव कुटुम्बकम और सर्म धर्म समभाव के साथ, हमेशा शान्ति, स्वीति और एकता का प्रतीक रहा है। हमें यह देखकर दु:ख होता है कि धर्म के नाम पर विवाद हो।

चौड़ास्थल में आन्दोलन की चेतावनी

बागेश्वर। कपकोट के चौड़ास्थल में खड़िया खनन के लिए खान मालिक की सक्रियता बढ़ते ही ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि खान स्वीकृत की गई तो उग्र आन्दोलन किया जायेगा।

बताते चलें कि ग्रामीणों ने पूर्व में भी आन्दोलन के चलते क्षेत्र में खान स्वीकृत नहीं होने दी थी। चौड़ास्थल में खड़िया की सम्भावनाओं को देखते हुए कई बार खान व्यवसायी यहां पर खनन की अनुमति के लिये दबाव बनाने लगते हैं परन्तु हर बार ग्रामीणों के आन्दोलन के कारण इस पर रोक लगती रही है। अब फिर से खान मालिक सक्रिय हो चुके हैं। एडवोकेट चामू सिंह देवली ने कहा है कि ग्रामीणों को बहला-फुसला कर खतौनी मांगी जा रही है। प्रलोभन के साथ ही फर्जी अनापत्ति प्रमाण पत्र बनाये जा रहे हैं। कहा यदि खान स्वीकृत की तो उग्र आन्दोलन होगा।

काशीपुर-धामपुर रेल लाइन का सर्वे

काशीपुर। काशीपुर-धामपुर रेल लाइन का प्राथमिक सर्वे पूरा हो चुका है। अब रेलवे की टीम तय करेगी कि किन स्थानों से होकर रेल लाइन गुजरेगी। ठाकुरद्वारा से जसपुर, भूतपुरी, शेकरकोट होते हुए धामपुर तक 58 किमी की दूरी तक रेलवे ट्रैक बिछाया जाएगा, जल्द ही प्रोजेक्ट की डीपीआर तैयार की जाएगी। मुरादाबाद मण्डल से यह लाइन होकर गुजरेगी, लिहाजा ठाकुरद्वारा, जसपुर से धामपुर तक मुरादाबाद मण्डल के अधिकारी इस ओर नज़र बनाए हुए हैं। पूरा प्रोजेक्ट लगभग 1200 करोड़ रुपये का है। लाइन बिछाने के बाद विद्युतीकरण किया जाएगा। इसके बाद यहां ट्रायल होगा और मुख्य संरक्षा अधिकारी की रिपोर्ट के बाद ट्रेन चल सकेगी। इस कार्य में दो साल लगने का अनुमान है। रेलवे ने इसकी सारी तैयारी कर ली है। अब नई समय सारिणी की फीडिंग की जा रही है। दूसरी ओर यह भी उम्मीद है कि मुरादाबाद मण्डल को तीन नई ट्रेनें मिल सकती हैं। फिलहाल टनकपुर से दौराई के बीच चलने वाली रेल नियमित की तैयारी है।

सड़क के लिये भूख हड़ताल

गोपेश्वर। सड़क निर्माण की मांग को लेकर डुमक के ग्रामीणों ने भूख हड़ताल की है। स्वास्थ्य खराब होने पर उठा दिये गये अनशनकारियों के बाद अन्य लोग बैठ गये। कड़ाके की ठण्ड के बावजूद आन्दोलन कर रहे लोगों का कहना है कि सड़क के बिना वह लोग दूरस्थ रहकर सजा सी काट रहे हैं। उनकी मांग पूरी होने तक आन्दोलन होगा।

चक्रव्यूह देखने उमड़े लोग

रुद्रप्रयाग। जिला मुख्यालय के समीप ग्राम पंचायत सांदर में पाण्डव लीला का आयोजन हुआ। लीला के दौरान चक्रव्यूह मंचन को देखने के लिये लोग उमड़ पड़े। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि क्षेत्रीय विधायक भरत सिंह चौधरी ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी पौराणिक परम्पराओं को आगे बढ़ा रह है जो एक अच्छी पहल है। ग्राम प्रधान भूपेन्द्र जगवाण ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर निवर्तमान सभासद सुरेन्द्र रावत थे।

परिक्रमा

5 माह से डायलिसिस यूनिट ठप

श्रीनगर। राजकीय मेडिकल कालेज के टीचिंग बेस चिकित्सालय के डायलिसिस यूनिट विगत 5 माह से सुचारु न होने पर मरीजों में रोष व्याप्त है। विगत कुछ माह पहले स्थानीय लोगों और मरीजों के गतिरोध को देखते हुए चिकित्सा प्रशासन व स्वास्थ्य मंत्री ने जल्द नई मशीनों को स्थापित करने की बात कही थी लेकिन अभी तक डायलिसिस मशीन सुचारु न होने से परेशानी हो रही है।

थान गांव में खुलेगा संस्कृत विद्यालय

बड़कोट। माँ यमुना के शीतकालीन गद्दी स्थल खरसाली गाँव में शीतकालीन यात्रा का शुभारम्भ करने के बाद जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द यमदग्नि ऋषि की तपस्थली थान गाँव पहुँचे। जहाँ उन्होंने मुनि महाराज और कल्पवृक्ष के दर्शन किये और यमदग्नि ऋषि मन्दिर के पास संस्कृत विद्यालय खोलने की बात कही।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हल्द्वानी में ताबड़तोड़ तोड़फोड़, सड़क चौड़ीकरण पर जोर

हल्द्वानी। महानगर में ताबड़तोड़ तोड़फोड़ जारी है। अतिक्रमण कहीं स्वयं से हटाये जा रहे हैं तो कहीं प्रशासन की टीम तोड़ रही है। शहर से गुजरने वाली सड़कों के चौड़ीकरण का जोर अभी बहुत कुछ करने वाला है।

नगर निगम और प्रशासन की टीम ने बरेली रोड स्थित फुटपाथ से अतिक्रमण हटाया। इस दायरे में आई करीब 20 दुकानों की टीनों व कब्जों को मशीन लगाकर उखाड़ दिया गया। गांधी इण्टर कालेज से सटी दुकानों में प्रशासन ने पहले ही नोटिस दे दिया था लेकिन अतिक्रमण न हटाने पर कार्यवाही की गई। इसी प्रकार की तोड़फोड़ की चेतावनी अन्य मार्गों पर भी है।

इस बीच राष्ट्रीय खेल को देखते हुए शहर व आसपास के मार्गों को सुविधायुक्त बनाने के लिये प्रशासन ने कमर कस ली है। सिटी मजिस्ट्रेट ए.पी. बाजपेयी ने ब्रिडकुल को रामपुर रोड पर

राष्ट्रीय खेल कारण से भी चौराहे चकाचक

डिवाइडर लगाने का काम जल्द पूरा कर रोड सुधार, जेबरा क्रासिंग मिडियन, कैट आई तथा पेटिंग करने को कहा है। एनएचएआई से पन्तनगर से नरीमन चौराहे तक राष्ट्रीय राजमार्ग को सुधारीकरण एवं सौन्दर्यीकरण के निर्देश दिए हैं। इसी के साथ तीनपानी में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज के शेष काम को जल्द पूरा कर ट्रैफिक चालू करने को कहा गया है। साथ ही साथ कब्जे हटाये जाएंगे।

कुविवि ऑनलाइन कापियां जांचने की तैयारी

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय छात्र छात्राओं की उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने के तरीके में बदलाव करने जा रहा है। पहली बार विश्वविद्यालय में कापियां ऑनलाइन जांची जाएंगी। पायलट प्रोजेक्ट के तहत भीमताल परिसर में उत्तर पुस्तिकाओं का ऑनलाइन मूल्यांकन किया जाएगा। इसके लिए प्राध्यापकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बताया जा रहा है कि पिछले सेमेस्टर में कई कापियों में मूल्यांकन में गड़बड़ी के बाद यह तैयारी हो रही है। ऐसे में विवि टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशियल साइंस से अनुबन्ध कर अपनी तैयारी कर चुका है। विवि के अधीन 40 से अधिक कालेज हैं।

पूर्व सैनिकों की यात्रा, भू-कानून के लिए महाकाली मन्दिर में अर्जी

गंगोलीहाट। प्रदेश के सभी देवी-देवताओं के मन्दिरों में भू-कानून के लिए अर्जी लगाकर लोग महाकाली मन्दिर में भी अर्जी लगाई गई। क्षेत्रवासियों द्वारा यहाँ पहुँचे लोगों का स्वागत किया गया। पूर्व सैनिकों की इस यात्रा में भू-कानून के साथ ही उत्तराखण्ड बचाने की अपील की गई। यात्रा दल में शामिल शंकर सागर ने बताया कि भू-कानून लागू करवाने के लिए अब तक 2500 किमी की यात्रा कर कई मन्दिरों में अर्जी लगाई गई है। इस मौके पर अशोक नेगी, आनन्द सिंह रावत, उमेद बिष्ट, शंकर काण्डपाल, पूर्व सैनिक संगठन के अलावा शेर सिंह, धन सिंह, पूरन सिंह, चंचल सिंह, बसन्त सहित अन्य लोग शामिल थे।

घस्कू-कुरीला सड़क निर्माण की मांग को लेकर डीएम को ज्ञापन

पिथौरागढ़। जौलजीवी क्षेत्र में घस्कू-कुरीला सड़क निर्माण कार्य पूरा न होने से क्षेत्रवासी नाराज हैं। समाजसेवी व तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती शकुन्तला दताल के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को को ज्ञापन दिया और शीघ्र ही शड़क का निर्माण शुरू करने की मांग की। ज्ञापन देते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में सड़क का निर्माण कार्य किया गया था। आठ साल बाद सिर्फ 21 किमी ही सड़क बन सकी है। ऐसे में सड़क सुविधा से वंचित क्षेत्र के लोग पैदल सफर करने के लिये मजबूर हैं। उन्होंने जौलजीवी में बारातघर बनाने की मांग भी की ताकि निर्धन लोगों व बाहर से आने वालों को कामकाज के समय सुविधा मिल सके।

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
मो.न. 8958525979, 9411134775
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236

MARTOLIA FURNITURE
Modular Kitchen, Sofa Set, Dinning Table, TV Cabinet, Dressing Table, Bed Room Furniture
Drawing Room Furniture & Interior, Restaurant Furniture & Turnkey Project.
Add : Near Devendrapuri, Badi Mukhani, Pilikothi Road, Haldwani Mob. : 8057167777, 7906752084, 8650427229

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

जोड़तोड़ के...

प्रथम पृष्ठ का शेष

-चम्पावत भाजपा-कांग्रेस पटखनी को तैयार
-टनकपुर में विपिन कुमार मजबूती से सामने
-डीडीहाट में निर्दलीय ज्यादा ताकतबर बने
-रुद्रपुर दिग्गजों की चाल और ठोकी ताल
-खटीमा में पूर्व सैनिक संगठन की दावेदारी
-काशीपुर मेयर के लिये दावादारों की लाइन

जनता में शुरू से रही है। हाँ-ना के बाद अन्ततः श्री वर्मा ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली और उनका लक्ष्य मेयर पद है। दूसरी ओर गजराज बिष्ट ने मेयर पद के लिये अपनी दावेदारी कर दी है। उनके समर्थन में भाजपा के कई नेता खुलकर आ चुके हैं। मतलब यह कि पार्टी किसे टिकट देगी यह घमासान मची है। दोनों बड़ी पार्टियों में सीट आरक्षित होते ही नेतागिरी का दांव चल रहे बहुत से बाहुबली अब चुप हैं लेकिन मेयर कोई अपना खास बने इसकी चाहत सबको है।

अल्मोड़ा नगर निगम की सीट महिला के आरक्षित होने पर होड़ लगी हुई है और नए चेहरे सामने दिखाई दे रहे हैं। पिथौरागढ़ नगर निगम सीट पर भी महिला के लिये तय होने के बाद राजनीति के दिग्गज ठण्ड हैं और नये सिरे से तैयारी हो रही है। 35 बूथों पर मतदाता पहली मेयर का चुनाव करेंगे। प्रगतिशील किसान लक्ष्मी मेहता ने भी अपनी दावेदारी की है वह भाजपा के विभिन्न पदों पर रही हैं। फिलहाल टिकट के लिये दावेदार अपनों से ही मुकाबला कर रहे हैं। गंगोलीहाट नगर पालिका चुनाव के लिये बनते-बिगड़ते खेल के बीच नेतागण जैसे बिल से निकल रहे हों। मुकेश रावल, नारायण बोहरा, गणेश रावल, भूपेश पन्त, पृथ्वीराज सिंह बोरा, हरगोविन्द रावल, विमल रावल सहित कई दावेदार दिखाई दे रहे हैं। व्यापारी वर्ग के अलावा सामाजिक गतिविधियों में संलग्न हरगोविन्द रावल ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर माहौल गरमा दिया है।

बेरीनाग नगर निकाय चुनाव में मुखिया पद के लिये फिर से घमासान होनी है। पूर्व चेयरमैन हेम पन्त की पत्नी श्रीमती हेमा पन्त को कांग्रेस का सर्वमान्य उम्मीदवार बनाने की तैयारी कर ली है। मुनस्यारी में जनजाति आरक्षित सीट के लिये जोड़ चल रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता श्रीराम सिंह धर्मशक्तू की दावेदारी के बाद उनके पक्ष में अधिकांश लोग दिखाई दे रहे हैं। माना जा रहा है कि किसी सयाने को कमान देने से विकास को गति मिलेगी। दूसरी ओर युवा राजेन्द्र पांगती राजू के नाम पर भी चर्चा है। भाजपा से टिकट के दावेदारों में सत्यवान निर्खुपा, लवराज निर्खुपा, खुशाल धर्मशक्तू, मनोहर दरियाल, राजेन्द्र तोमक्याल हैं। धारचूला नगर पालिका चैयरमैन के लिये दावेदारों पर मंथन हो रहा है। भाजपा और कांग्रेस की ओर से महेन्द्र बुदियाल, महेश गर्ब्याल, अशोक नबियाल, विरेन्द्र नबियाल, अंशुल खैर, अश्वनी नपलच्याल, सोहन जमकाल, प्रेमवती कुटियाल, लक्ष्मी गुंज्याल, लक्ष्मी रायपा का दाबा है।

डीडीहाट पालिका में पार्टी प्रत्याशियों के अलावा निर्दलीय दमदार चुनाव लड़ने की तैयारी कर चुके हैं। महिला सीट आरक्षण होते ही पार्टी टिकट के लिये लम्बी लाइन लगी है। चम्पावत में भाजपा कांग्रेस की घमासान होनी है। अभी तो नेताओं की पत्नियों ने टिकट की दावेदारी की है। लोहाघाट में भाजपा नेता निवर्तमान पालिकाध्यक्ष गोविन्द वर्मा सहित कई नेता टिकट की दावेदारी में हैं। टनकपुर में ओबीसी आरक्षण के बाद विपिन कुमार सबसे मजबूत दिखाई दे रहे हैं। इस सीट पर कई दावेदार थे लेकिन ओबीसी के बाद सारे सिमट कर रह गये।

तराई की रुद्रपुर नगर निगम सीट के लिये दिग्गजों की चाल तेज हो चुकी है और कई ने ताल भी ठोकी है। सीट सामान्य होने पर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष सी.सी.शर्मा, व्यापार मण्डल अध्यक्ष संजय जुनेजा सहित कई पार्टी से टिकट की लाइन में हैं।

खटीमा नगर पालिका चैयरमैन के लिये पूर्व सैनिक संगठन ने दावेदारी की है। संगठन ने सैनिक बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण टिकट की मांग करते हुए भाजपा की मुश्किल बढ़ा दी है। संगठन कैप्टन गम्भीर सिंह धामी को टिकट की मांग कर रहा है।

काशीपुर नगर निगम में फिलहाल भाजपा-कांग्रेस की ओर से दावेदारों की लाइन में से प्रत्याशी तय होना है। कांग्रेस में आठ नेताओं ने अपनी दावेदारी की है। इनमें संदीप सहगल, अरुण चौहान, जय सिंह, मीनू गुप्ता, मुक्त सिंह, उमेश जोशी, इन्दुमान, प्रभात साहनी और भाजपा में 12 ने दावेदारी की है। दावेदारों में निवर्तमान मेयर ऊषा चौधरी, दीपक बाली, सीमा चौहान, गुरविन्दर सिंह चण्डोक, मंजू यादव, यशपाल रावत, अवीश अरोरा, राम मेहरोत्रा हैं।

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
नरेन्द्र सिंह रावत
सम्पर्क
7351285555

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत
होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल
9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)